

ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

**9-11-2022**

पुरानी बातें, पुराने संस्कार ऐसे अनुभव हों जैसे कि नामालूम कब की पुरानी बात है। ऐसे नाम निशान खत्म हो जाये। इसके लिए 1-अपनी बुद्धि से उपराम 2-संस्कारों से भी उपराम। “मेरे संस्कार हैं-” इस मेरे-पन से भी उपराम। मैं यह समझती हूँ, इस मैं पन से भी उपराम। जहाँ मैं शब्द आता है वहाँ बापदादा याद आये। जहाँ मेरी समझ आती है वहाँ श्रीमत याद आये।

**Now transform the old nature and old sanskars.**

Let past situations and old sanskars be experienced as though they are things of the distant past that you are not even aware of. Let all name and trace of them should be finished to this extent. For this, 1) Keep your intellect up above. 2) Remain beyond your sanskars. Remain beyond the consciousness of “My sanskars”. Remain beyond the consciousness of “My understanding (I feel that ...)”. Wherever you use the word “I”, instead use the word “BapDada”. Where you use your understanding, instead use shrimat.